सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

कक्षा 10 – सत्र 2019–20

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 5

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखे– 1
औद्योगीकरण के पहले चरण में लोहा और स्टील उद्योग सबसे बड़ा उद्योग था, परन्तु रेलवे के विस्तार के बाद कपास उद्योग आगे निकल गया।

उत्तर

औद्योगीकरण के पहले चरण में **कपास उद्योग** सबसे बड़ा उद्योग था, परन्तु रेलवे के विस्तार के बाद **लोहा और स्टील उद्योग** आगे निकल गया।

2. "ऊर्जा के स्रोत के रूप में जल शक्ति अन्य ऊर्जा के जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अधिक उपयोगी है।" कथन की पुष्टि में कोई एक तर्क दीजिए। 1

उत्तर

जल शक्ति का उपयोग कुछ उद्योगों में आर्थिक दृष्टि से अधिक उपयोगी होता है जैसे एल्यूमिनियम, उर्वरक, इलैक्ट्रोप्लेटिंग आदि।

3. सूची I और सूची II का मेल कराएँ– 1

	सूची–I		सूची–II
1.	अधिकारों और अवसरों के मामले में स्त्री और पुरुष की बराबरी मानने वाला व्यक्ति	क	सांप्रदायिक
2.	धर्म को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाला व्यक्ति	ख	नारीवादी
3.	जाति को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाला व्यक्ति	ग	धर्मनिरपेक्ष
4.	व्यक्तियों के बीच धार्मिक आस्था के आधार पर भेदभाव न करने वाला व्यक्ति	घ	जातिवादी

उत्तर 1–ख, 2–क, 3–घ, 4–ग

4. आधुनिक यूरोप के प्रारम्भ में प्रिंट के आगमन का उत्सव मनाते हुए छपे इस चित्र में छापाखाना लेकर स्वर्ग से उतर रही देवी के आजू–बाजू हैं– 1

(a) वीनस और मर्करी (b) मिनर्वा और एथेना
(c) एथेना और मर्करी (d) मिनर्वा और मर्करी

उत्तर (d) मिनर्वा और मर्करी

5. निम्नलिखित में से कौन–सी चुनौती राजनीतिक दलों के समक्ष है? 1
(a) पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का न होना।
(b) वंशवाद की चुनौती।

(c) पैसा और अपराधी तत्त्वों की बढ़ती घुसपैठ।

(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d) उपर्युक्त सभी

6. नीचे दिया गया कार्टून निम्न विकल्पों में से क्या दर्शाता है– 1

(a) सत्ता की सारी ताकत एक नेता के हाथ में सिमट जाना

(b) देश में इमरजेन्सी के हालात पैदा होना

(c) देश के मीडिया पर सत्ता पक्ष का प्रभाव होना

(d) सभी राजनीतिक दलों को साथ लेकर चलना

उत्तर (a) सत्ता की सारी ताकत एक नेता के हाथ में सिमट जाना

7. ब्रेटन वुड्स सम्मेलन ने अपने सदस्य राष्ट्रों के बाहरी अधिशेष और घाटे से निपटने के लिए ..... की स्थापना की। 1

उत्तर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

अथवा

घातक बीमारियों के कारण हजारों लोगों ने अमेरिका के लिए ..... छोड़ दिया।

उत्तर यूरोप

8. पूरी दुनिया में लोकतंत्र के विचार के प्रति जबरदस्त समर्थन का भाव है। इसके लिए निम्नलिखित में से कौन–सा कारण सबसे उपयुक्त है? 1

(a) यह लोगों की अपनी सरकारें होती हैं।

(b) यह आर्थिक समानता बनाए रखती है।

(c) इसके कारण उच्च आर्थिक विकास दर होती है।

(d) यह गरीबी से मुक्त करती हैं

उत्तर (a) यह लोगों की अपनी सरकारें होती हैं।

9. निम्नलिखित को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए– 1

1. नेपोलियन का इटली पर हमला।
2. इटली का एकीकरण।
3. प्रथम विश्वयुद्ध का प्रारम्भ।

(a) 1–2–3 (b) 2–1–3

(c) 3–2–1 (d) 3–1–2

उत्तर (a) 1–2–3

10. बेल्जियम में तीन समुदाय फ्रेंच, डच और ..... रह रहे हैं। 1

उत्तर जर्मन भाषी

अथवा

बेल्जियम में डच और फ्रेंच बोलने वाले लोग और ..... दोनों समान आधार पर शक्ति साझा करते हैं।

उत्तर केंद्र सरकार

11. निम्नलिखित तालिका को उत्पत्ति के आधार पर संसाधनों के सम्बन्ध में सही जानकारी के साथ पूरा कीजिए– 1

संसाधन के प्रकार	प्राप्ति/निर्माण	उदाहरण
जैव संसाधन	जीवमण्डल से	(B)–?
अजैव संसाधन	(A)–?	चट्टानें

उत्तर

(A) – निर्जीव वस्तुओं से

(B) – पशुधन

12. बेल्जियम में डच–भाषी तथा फ्रेंच–भाषी लोगों में तनाव क्यों था? 1

उत्तर

क्योंकि अल्पसंख्यक फ्रेंच भाषी लोग तुलनात्मक रूप से ज्यादा समृद्ध और ताकतवर थे।

अथवा

बेल्जियम ने सत्ता में साझेदारी के सवाल को किस प्रकार से निपटाने की कोशिश की?

उत्तर

विभिन्न समुदायों की भावनाओं एवं हितों का आदर करके।

13. अहमदाबाद में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि नगर के 15,00,000 श्रमिकों में से 11,00,000 श्रमिक असंगठित क्षेत्रक में काम करते थे। वर्ष 1997-98 में नगर की कुल आय

₹ 600 करोड़ थी। इसमें से ₹ 320 करोड़ संगठित क्षेत्रक से प्राप्त होते थे। 1

ऊपर दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुए निम्न में से किसी एक विकल्प का चुनाव कीजिए–

(a) असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को संगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों की अपेक्षा कम वेतन मिलता है।

(b) असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को संगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों की अपेक्षा अधिक वेतन मिलता है।

(c) असंगठित क्षेत्र एवं संगठित क्षेत्र, दोनों में श्रमिकों को बराबर वेतन दिया जाता है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को संगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों की अपेक्षा कम वेतन मिलता है।

14. भाषा की विविधता के विचार से किस देश का नाम सबसे ऊपर आता है? 1

उत्तर भारत।

अथवा

संघीय प्रकार की सरकार में कौन अधिक शक्तिशाली होता है?

उत्तर केन्द्र।

15. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़े और सही विकल्प चुनें– 1

कथन (A) : एक छोटे से कस्बे में डकैती की उच्च दर है, हालाँकि इस कस्बे के एक इलाके में कानून व्यवस्था अच्छी तरह से बनी हुई है।

कारण (R) : इलाके के लोग सुरक्षा गार्ड के होने के महत्त्व से अवगत हैं और वे सामूहिक रूप से इलाके में सुरक्षा गार्ड रखने के लिए भुगतान करते हैं।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत है।

उत्तर (a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

16. परिवहन का सबसे सस्ता साधन ..... है। 1

उत्तर जल परिवहन

अथवा

..... जिला मुख्यालय को जिले के विभिन्न प्रशासनिक केन्द्रों से जोड़ता है।

उत्तर जिला मार्ग

17. निम्नलिखित में से कौन–सी रोपण फसल नहीं है? 1

(a) चाय (b) गेहूँ

(c) कॉफी (d) रबड़

उत्तर (b) गेहूँ

18. वैश्वीकरण का लाभ अधिक लोगों को हो, इसके लिए सरकार क्या कदम उठा सकती हैं? 1

उत्तर

श्रम नियमों का ठीक से पालन हो और सुनिश्चित कर सकती है और अपने निष्पादन को सुधारने के लिए छोटे उत्पादकों की सहायता कर सकती है।

19. भारत में विनिमय माध्यम के रूप में कौन–सी करेंसी का प्रयोग किया जाता हैं? 1

उत्तर रुपया।

20. भारत के अधिकतर पटसन उद्योग किस राज्य में स्थित हैं? 1

(a) पश्चिम बंगाल (b) बिहार

(c) ओडिशा (d) महाराष्ट्र

उत्तर (a) पश्चिम बंगाल

खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. भारत पर औद्योगिक क्रांति के प्रभावों का वर्णन कीजिए। 3

उत्तर :

1 ब्रिटेन में कपास उद्योग के विस्तार के परिणामस्वरूप उद्योगपतियों ने कपास के आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार को विवश किया ताकि स्थानीय उद्योगों का बचाव हो सके।

2 ब्रिटेन में कपड़े के आयात पर सीमाशुल्क लगाया गया। इससे उत्तम श्रेणी की कपास का आयात कम हो गया।

3 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में ब्रिटिश उद्योगपतियों ने समुद्रपार क्षेत्रों में अपने कपड़े के लिए नये बाजार ढूँढ़ने शुरू किए।

4 इस प्रकार भारतीय कपड़ा उद्योगों को एक जबरदस्त संघर्ष करना पड़ा इससे भारत का सूती कपड़े का निर्यात कम होने लगा जो 1800 में 30 प्रतिशत था, 1815 में

15 प्रतिशत रह गया। 1870 के दशक तक यह निर्यात 3 प्रतिशत से भी कम रह गया।

5 उत्पादों के स्थान पर अब कच्चे माल के निर्यात में वृद्धि हुई। 1812 से 1871 के मध्य कपास का निर्यात 5 प्रतिशत से 35 प्रतिशत हो गया।

अथवा

उन्नीसवीं सदी में भारतीय व्यापार पर उपनिवेशवाद और वैश्वीकरण का क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर :

उन्नीसवीं सदी में भारतीय व्यापार पर उपनिवेशवाद और वैश्वीकरण के निम्नलिखित प्रभाव पड़े :

1 सन् 1800 के आस-पास निर्यात में सूती कपड़े का हिस्सा 30 प्रतिशत था, जो 1815 में घट कर 15 प्रतिशत रह गया। 1870 तक तो यह अनुपात केवल 3 प्रतिशत रह गया था।

2 1812 से 1871 के बीच कच्चे कपास का निर्यात 5 प्रतिशत से बढ़कर 35 प्रतिशत तक पहुँच गया था।

3 कपड़ों की रँगाई के लिए इस्तेमाल होने वाली नील का भी कई दशक तक बड़े पैमाने पर निर्यात होता रहा।

4 1820 के दशक से चीन को बड़ी मात्रा में अफीम का निर्यात किया जाने लगा। कुछ समय तक भारतीय निर्यात में अफीम का हिस्सा सबसे ज्यादा रहा।

22. औद्योगिक क्रांति से क्या अभिप्राय है? इस क्रांति के दो आर्थिक और दो अनुकूल प्रभाव लिखिए। 3

उत्तर :

1. **औद्योगिक क्रांति-** यंत्रों या मशीन का प्रयोग करके कम समय में अधिक उत्पादन करने की दिशा में मानव जाति का आगे बढ़ना।
2. **औद्योगिक क्रांति के दो आर्थिक प्रभाव-**
   (a) कुटीर व छोटे पैमाने के उद्योग समाप्त हुए।
   (b) व्यापार, वाणिज्य, यातायात, संचार माध्यम, शहरीकरण तथा उच्च जीवन स्तर को प्रोत्साहन एवं बढ़ावा मिला।
3. **औद्योगिक क्रांति के दो अनुकूल प्रभाव-**
   (a) कम समय और कम परिश्रम से अधिक उत्पादन। इसके परिणामस्वरूप वस्तुएँ सस्ती और पर्याप्त रूप से उपलब्ध हुईं।
   (b) ढाँचागत सुविधाओं यथा-सड़क निर्माण, रेल निर्माण, जलयान निर्माण, डाक एवं तार व्यवस्था आदि का विकास।

अथवा

इंग्लैंड में आधुनिक औद्योगीकरण, परम्परागत उद्योगों को पूर्णतः हाशिए पर नहीं ढकेल सका। उपयुक्त तर्कों द्वारा इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर :

1. नए उद्योग परम्परागत उद्योगों को इतनी आसानी से हाशिए पर नहीं ढकेल सकते थे। 19वीं सदी के आखिर में भी तकनीकी रूप से विकसित औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों की संख्या कुल मजदूरों में 20% से ज्यादा नहीं थी।
2. कपड़ा उद्योग एक गतिशील उद्योग था, लेकिन उसके उत्पादन का बड़ा हिस्सा कारखानों में नहीं बल्कि घरेलू इकाइयों में होता था।
3. खाद्य प्रसंस्करण, निर्माण, पॉटरी, कांच का काम, चर्मशोधन, फर्नीचर और औज़ारों के उत्पादन जैसे बहुत सारे गैर-मशीनी क्षेत्रों में जो तरक्की हो रही थी वह मुख्य रूप से साधारण और छोटे-छोटे आविष्कारों का ही परिणाम थी। मशीनें अक्सर खराब हो जाती थीं और उनकी मरम्मत पर काफी खर्चा आता था। वे उतनी अच्छी नहीं थी जितना उनके आविष्कारकों और निर्माताओं का दावा था।
4. नई तकनीक महँगी थी। सौदागर व व्यापारी उनके इस्तेमाल के लिए फूँक-फूँककर कदम बढ़ाते थे।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़े और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें- $1 + 1 + 1 = 3$

स्रोत क

देसी अखबारों और राजनीतिक सभाओं की वही भूमिका होती है जो इंग्लैंड के हाउस ऑफ कॉमन्स में विपक्ष की होती है। यानि कि सरकारी नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा कर, लोगों के हित साधने में अक्षम हिस्सों को निकालें और सुधार करें तथा उनको तेजी से लागू करने का काम करें।

"इन सभाओं को चाहिए कि वे देश के खास मुद्दों पर नाना तरह की सूचनाएँ जमा करें और क्या संभव और वांछित सुधार हैं वह बताएँ, इन कार्यों का काफी असर होगा।"

स्रोत ख

"वाणी की स्वतंत्रता ..... प्रेस की आजादी ..... सामूहिकता की आजादी। भारत सरकार अब जनमत को व्यक्त करने और बचाने के इन तीन ताकतवर औजारों को दबाने की कोशिश कर रही है। स्वराज, खिलाफत की लड़ाई सबसे पहले तो इन संकटग्रस्त आजादियों की लड़ाई है।"

स्रोत ग

"अगर किसी ने मुझे पढ़ते देखा होगा तो उसने मुझे उस प्यासे की तरह पाया होगा जो शुद्ध ताजा पानी मिलने पर गटागट पीने लगता है..... बड़े एहतियात से लालटेन जलाने के बाद मैं खुद को किताबों में डुबो देता था। और वाक् और अर्थ के प्रवाह में मैं पन्ना-दर-पन्ना बहता चला जाता था, अनायास और अनजान। खामोशी के साए में घड़ियाल हर घंटे बजता चला जाता था, पर मुझे सुनाई नहीं पड़ता था। तेल खत्म होने से मेरी लालटेन की लौ पीली पड़ने लगती थी, पर मैं था कि

पढ़ता जाता। मैं बत्ती उठाने की जहमत भी नहीं लेता था, कि मेरे आनंद में व्यवधान न पड़े और वे नए विचार किस वेग से मेरे सिर में घुसते थे। मेरी बुद्धि कैसे उन्हें आत्मसात करती थी।"

स्रोत क

23.1 उस अखबार का नाम बताएँ जहाँ से यह कथन लिया गया है? 1

उत्तर :

अखबार का नाम है– 'नेटिव ओपिनियन'

स्रोत ख

23.2 किसने, कब यह बयान दिया? 1

उत्तर :

यह बयान गाँधी जी द्वारा 1922 में दिया गया।

स्रोत ग

23.3 इस अनुच्छेद के लेखक का नाम बताओ। 1

उत्तर :

इस अनुच्छेद के लेखक हैं–मर्सिए।

24. उद्योग किस प्रकार कृषि क्षेत्रक को प्रोत्साहित करते हैं? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

1. कृषि एक उत्पादक है जबकि उद्योग प्रसंस्करणकर्ता और क्रेता है।
2. उद्योग कृषि क्षेत्र को रासायनिक उर्वरक, औजार और मशीनों की आपूर्ति करता है।
3. औद्योगिक विकास के कारण ही कृषि उत्पादन बढ़ाने वाले अनेक अनुसंधान और प्रयोगशाला परीक्षण संभव हो पाए हैं।
4. कृषि उत्पादों का परिवहन करने वाले वाहन यथा रेलगाड़ी तथा ट्रक आदि का विनिर्माण उद्योग ही करते हैं।

अथवा

कृषि औद्योगिक क्षेत्रक को प्रोत्साहित करती है। कथन के पक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तर :

1. कृषि प्राथमिक उत्पाद प्रदान करती है जबकि उद्योग इनका प्रसंस्करण करते हैं।
2. जिस तरह एक पेड़ की सभी शाखाओं को उसकी जड़ भोजन की आपूर्ति करती है ठीक उसी तरह कृषि ही निर्माण उद्योगों को कच्चा माल प्रदान करती है।
3. कृषि द्वारा कच्चे माल की आपूर्ति किए जाने से ही उद्योग अस्तित्व में है।
4. उद्योगों में कार्यरत लोगों को भोजन, वस्त्र और आश्रय आदि सभी कुछ कृषि द्वारा ही प्रदान किया जाता है।

25. धात्विक खनिज और अधात्विक खनिजों में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

	धात्विक खनिज	अधात्विक खनिज
1.	इनको पिघलाकर नई धातु प्राप्त की जा सकती है	पिघलाने पर नई धातु नहीं मिलती।
2.	ये कठोर होते हैं और इनमें अपनी चमक होती है।	ये अधिक कठोर नहीं होते। इनमें अपनी चमक नहीं होती।
3.	ये लचीले और तार खींचने लायक होते हैं।	इनके तार नहीं खींचे जाते तथा लचीले नहीं होते।
4.	ये आग्नेय चट्टानों से संबंधित होते हैं।	इनका संबंध रूपांतरित चट्टानों से होता है।
5.	ये टूटते नहीं।	इनको चोट मारकर तोड़ सकते हैं।
6.	**उदाहरण–** ताँबा, लोहा, टिन, चाँदी, सोना आदि।	**उदाहरण–** सल्फर, कोयला, अभ्रक, नमक आदि।

26. राजनीतिक–दलों के समक्ष वंशवाद सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। इस कथन का विश्लेषण कीजिए। 3

उत्तर :

आजकल राजनीतिक दलों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती वंशवाद की है। इन दलों की कार्य–प्रणाली में कोई पारदर्शिता नहीं होती इसलिए दलों के नेता अपने परिवार के सदस्यों, विशेषतया पत्नी और पुत्र को अतिरिक्त लाभ देने का प्रयास करते हैं। कई राजनीतिक दल तो एक ही परिवार द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं। जैसे – आर.जे.डी., नेशनल कांफ्रेंस, डी.एम. के., एस.ए.डी. इत्यादि।

27. विशेष आर्थिक क्षेत्र क्या हैं? उनकी स्थापना क्यों की गई? 3

उत्तर :

विशेष आर्थिक क्षेत्र वे उद्योग हैं जिनकी स्थापना विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए आकर्षित करने के उद्देश्य से की गई है। इन विशेष आर्थिक क्षेत्रों में उच्च कोटि की विद्युत, पानी, परिवहन, भंडारण, मनोरंजन तथा शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके अतिरिक्त उन उद्योगों को जो अपनी इकाइयाँ इस क्षेत्र में स्थापित करते हैं, पहले पाँच वर्षो में करों में रियायत दी जाती है।

अथवा

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अपने उत्पादनों का दुनिया भर में किस प्रकार नियंत्रण और प्रसार कर रहीं हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ दूसरे देशों में निम्न प्रकार से अपने उत्पादनों का नियंत्रण और प्रसार कर रही है–

1. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ उत्पादन वहाँ प्रारम्भ करती है जहाँ–
   (a) संभावित बाजार नजदीक हों।
   (b) कम लागतों पर कुशल और अकुशल श्रमिक उपलब्ध हों।
   (c) उत्पादन के अन्य कारकों की उपलब्धि सुनिश्चित हो।
   (d) सरकारी नीतियाँ बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अनुकूल हों।
2. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ दूसरे देशों के कुछ स्थानीय कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से अर्थात् साझेदारी से उत्पादन प्रारम्भ करती हैं।
3. वे स्थानीय कंपनियों को खरीदकर अपने उत्पादन का विस्तार करती हैं।

28. आर्थिक विकास का अर्थ बतायें। एक देश में आर्थिक विकास को मापने के दो संकेतक कौन से हैं? 3

उत्तर :

आर्थिक विकास का अर्थ–आर्थिक विकास एक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से दीर्घ अवधि में प्रति व्यक्ति आय तथा लोगों के आर्थिक कल्याण में वृद्धि होती है।

एक देश के आर्थिक विकास के मापन के दो संकेतक–एक देश के आर्थिक विकास के मापन के कई संकेतक हैं। उनमें से दो निम्नलिखित हैं–

1. **राष्ट्रीय आय**–यह एक वर्ष में एक देश की साधन (कारक) आय का योगफल है।
2. **प्रति व्यक्ति आय**–प्रति व्यक्ति आय की गणना करने के लिए एक देश की राष्ट्रीय आय को उस देश की कुल जनसंख्या से विभाजित किया जाता है। सूत्र के रूप में,

$$\text{प्रति व्यक्ति आय} = \frac{\text{राष्ट्रीय आय}}{\text{कुल जनसंख्या}}$$

खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. भारत में राष्ट्रवाद की भावना को सुदृढ़ बनाने में विभिन्न सांस्कृतिक प्रक्रियाओं ने किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई? 5

उत्तर :

1. **संयुक्त संघर्ष**–भारत में अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष में राष्ट्रवाद की भावना प्रेरित करने का मुख्य कारण संयुक्त संघर्ष था।
2. **सांस्कृतिक प्रक्रियाएँ**–विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक प्रक्रियाएँ ऐसी थीं जिनके द्वारा लोगों की कल्पना में राष्ट्रवाद के प्राण फूँके गए। इतिहास और कथाएँ, लोकगाथाएँ व गीत, लोकप्रिय छवियाँ व प्रतीक–सभी ने राष्ट्रवाद की भावना को सुदृढ़ बनाया।
3. **भारत माता**–भारत की पहचान भारत माता की छवि का रूप धारण कर गई जो पहली बार बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने बनाई थी जिन्होंने मातृभूमि की स्तुति के रूप में **वंदे मातरम्** गीत लिखा था। स्वदेशी आंदोलन की प्रेरणा से रवीन्द्रनाथ टैगोर ने भारत माता की विख्यात छवि को चित्रित किया।
4. **भारतीय लोक कथाओं को पुनर्जीवित करना**–राष्ट्रवाद का विचार भारतीय लोक कथाओं को पुनर्जीवित करके भी विकसित किया गया। 19वीं सदी के अंत में राष्ट्रवादियों ने भाटों व चारणों द्वारा गाई–सुनाई जाने वाली लोक कथाओं को दर्ज (रिकार्ड) करना शुरू कर दिया। यह अपनी परंपरागत संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए किया गया जो पश्चिमी शक्तियों द्वारा भ्रष्ट व दूषित हो चुकी थी। अपनी राष्ट्रीय पहचान को ढूँढने और अपने अतीत में गौरव का भाव पैदा करने के लिए इस लोक परंपरा को बचाकर रखना जरूरी था।

अथवा

मुस्लिम लीग की स्थापना कब हुई थी? 1906 से 1914 तक मुस्लिम लीग की नीतियों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। पाकिस्तान को एक पृथक् राज्य गठित कराया जाना मुस्लिम लीग का मुख्य उद्देश्य कब बन गया?

उत्तर :

मुस्लिम लीग की स्थापना– मुस्लिम लीग की स्थापना 30 दिसम्बर, 1906 ई. को ढाका में हुई। इसका उद्देश्य भारतीय मुसलमानों में ब्रिटिश सरकार के प्रति वफादारी पैदा करना तथा भारतीय मुसलमानों के अधिकारों की रक्षा करना था।

मुस्लिम लीग की नीति में परिवर्तन के कारण–

1. तुर्की के सुल्तान के साथ ग्रेट ब्रिटेन का कठोरतापूर्ण व्यवहार भारतीय मुसलमानों को शर्मिन्दगी और अपमानजनक लगा। इसलिए उन्होंने इसके विरूद्ध खिलाफत कमेटी बनाकर आंदोलन करने का निश्चय किया।
2. 1911 ई. में मुस्लिम लीग से परामर्श लिए बिना ही ब्रिटिश सरकार ने बंगाल का विभाजन रद्द कर दिया था।
3. **हमदर्द** और **अल हिलाल** नामक समाचार पत्र अंग्रेजों द्वारा बन्द करवा दिए गए थे।

1933 में रहमत अली (कैम्ब्रिज का एक विद्यार्थी) ने **पाकिस्तान** शब्द की विभाजित राज्य–क्षेत्रों के रूप में कल्पना की। मुहम्मद इकबाल ने मुस्लिम लीग के अध्यक्षात्मक भाषण में इसका गुप्त संदेश दिया। पाकिस्तान प्रस्ताव, 1940 ने रहस्यमय एवं द्विअर्थक दंश से पृथक पाकिस्तान लेने की मंशा जता दी और 1946 के चुनाव पश्चात् बनी अंतरिम सरकार के काम में रोड़े अटकाने तथा संविधान सभा की सदस्यता से बहिष्कार करने और सीधी कार्यवाही का दिवस घोषित करने के साथ ही जिन्ना की द्विराष्ट्र नीति का वीभत्स दृश्य नोआखाली, कलकत्ता, बंबई और बिहार में कत्लेआम या भीषण नर–संहार के रूप में दिखाई पड़ा।

30. निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 2 + 2 = 5$

समस्या तब शुरू होती है जब धर्म को राष्ट्र का आधार मान लिया जाता है। पिछले अध्याय का उत्तरी आयरलैंड का उदाहरण राष्ट्रवाद की ऐसी ही अवधारणा से जुड़े खतरों को दिखाता है। समस्या तब और विकराल हो जाती है जब राजनीति में धर्म की अभिव्यक्ति एक समुदाय की विशिष्टता के दावे और पक्षपोषण का रूप लेने लगती है तथा इसके अनुयायी दूसरे धर्मावलंबियों के खिलाफ़ मोर्चा खोलने लगते हैं। ऐसा तब होता है जब एक धर्म के विचारों को दूसरे से श्रेष्ठ माना जाने लगता है और कोई एक धार्मिक समूह अपनी माँगों को दूसरे समूह के विरोध में खड़ा करने लगता है। इस प्रक्रिया में जब राज्य अपनी सत्ता का इस्तेमाल किसी एक धर्म के पक्ष में करने लगता है तो स्थिति और विकट होने लगती है। राजनीति से धर्म को इस तरह जोड़ना ही सांप्रदायिकता है।

सांप्रदायिक राजनीति इस सोच पर आधारित होती है कि धर्म ही सामाजिक समुदाय का निर्माण करता है। इस मान्यता के अनुकूल सोचना सांप्रदायिकता है। इस सोच के अनुसार एक खास धर्म में आस्था रखने वाले लोग एक ही समुदाय के होते हैं। उनके मौलिक हित एक जैसे होते हैं तथा समुदाय के लोगों के आपसी मतभेद सामुदायिक जीवन में कोई अहमियत नहीं रखते। इस सोच में यह बात भी शामिल है कि किसी अलग धर्म को मानने वाले लोग दूसरे सामाजिक समुदाय का हिस्सा नहीं हो सकते; अगर विभिन्न धर्मों के लोगों की सोच में कोई समानता दिखती है तो यह ऊपरी और बेमानी होती है। अलग-अलग धर्मों के लोगों के हित तो अलग-अलग होंगे ही और उनमें टकराव भी होगा। सांप्रदायिक सोच जब ज्यादा आगे बढ़ती है तो उसमें यह विचार जुड़ने लगता है कि दूसरे धर्मों के अनुयायी एक ही राष्ट्र में समान नागरिक के तौर पर नहीं रह सकते। इस मानसिकता के अनुसार या तो एक समुदाय के लोगों को दूसरे समुदाय के वर्चस्व में रहना होगा या फिर उनके लिए अलग राष्ट्र बनाना होगा।

यह मान्यता बुनियादी रूप से गलत है। एक धर्म के लोगों के हित और उनकी आकांक्षाएँ हर मामले में एक जैसी हों– यह संभव नहीं है। हर व्यक्ति कई तरह की भूमिका निभाता है। उसकी हैसियत और पहचान अलग-अलग होती है। हर समुदाय में तरह-तरह के विचार के लोग होते हैं। इन सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है इसलिए एक धर्म से जुड़े सभी लोगों को किसी गैर-धार्मिक संदर्भ में एक करके देखना उस समुदाय की विभिन्न आवाज़ों को दबाना है।

30.1 सांप्रदायिकता अपने चरम रूप में क्या करती है?

30.2 "समस्या तब शुरू होती है जब धर्म को राष्ट्र का आधार मान लिया जाता है।" उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

30.3 सांप्रदायिकता की समस्या से निपटने के लिए सुझाव दीजिए।

उत्तर :

30.1

सांप्रदायिकता जब अपने चरम रूप में होती है तो उसमें यह विचार जुड़ने लगता है कि दूसरे धर्मों के अनुयायी एक ही राष्ट्र में समान नागरिक के रूप में नहीं रह सकते। इस मानसिकता के अनुसार या तो एक समुदाय के लोगों को दूसरे समुदाय के वर्चस्व में रहना होगा या फिर उनके लिए एक अलग राष्ट्र बनाना होगा।

30.2

समस्या तब शुरू होती है जब धर्म को राष्ट्र का आधार मान लिया जाता है। समस्या तब और विकराल हो जाती है जब राजनीति में धर्म की अभिव्यक्ति एक समुदाय की विशिष्टता के दावे और पक्षपोषण का रूप लेने लगती है तथा इसके अनुयायी दूसरे धर्मावलंबियों के खिलाफ़ मोर्चा खोलने लगते हैं। ऐसा तब होता है जब एक धर्म के विचारों को दूसरे से श्रेष्ठ माना जाने लगता है और कोई एक धार्मिक समूह अपनी माँगों को दूसरे समूह के विरोध में खड़ा करने लगता है। इस प्रक्रिया में जब राज्य अपनी सत्ता का प्रयोग किसी एक धर्म के पक्ष में करने लगता है तो स्थिति और विकट होने लगती है। राजनीति से धर्म को इस तरह जोड़ना ही सांप्रदायिकता है।

30.3

सांप्रदायिकता देश की राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए एक बहुत बड़ा खतरा है। यदि इस पर नियंत्रण न किया गया तो इससे राष्ट्र के सामने अनेक गंभीर समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। इससे निपटने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं–

(a) सामाजिक, राजनीतिक तथा चुनावी प्रक्रिया में इन सांप्रदायिक तथा जातिगत शक्तियों को प्रभावहीन करने के लिए प्रबुद्ध नागरिकों को प्रयास करने चाहिए।

(b) देश की राजनीतिक तथा मतदान प्रक्रिया में सांप्रदायिक तथा जातिगत दलों को कोई महत्त्व न दिया जाए।

(c) सांप्रदायिक खून-खराबे तथा जातीय झगड़ों से कठोरता से निपटा जाना चाहिए।

(d) किसी को भी धार्मिक संस्थाओं का प्रयोग सांप्रदायिक प्रचार करने के लिए नहीं करने दिया जाना चाहिए।

(e) धर्म तथा राजनीति को जाति के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

31. हरित क्रांति की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं? खाद्यान्न के उत्पादन के लगातार छः वर्षों तक गिरने के कारण भी बतायें। 5

उत्तर :

1. **हरित क्रांति की मुख्य विशेषताएँ–**
   (a) बड़े पैमाने पर उच्च उत्पादकता वाले बीजों का प्रयोग।
   (b) सतही तथा भूमिगत जल का सिंचाई के लिये विकास।
   (c) रासायनिक खाद, कीटनाशक और हानिकारक जीवनाशकों का प्रयोग।

(d) भूमि सुधार।
(e) ग्रामीण विद्युतीकरण।
(f) मशीनों का उपयोग।

2. **खाद्यान्न उत्पादन में लगातार गिरावट के कारण–**
(a) भूमि निम्नीकरण।
(b) भूमिगत जल का अति उपयोग जिससे जलस्रोत में जल की कमी का होना।
(c) वितरण पर प्रभाव।
(d) अपर्याप्त भंडारण तथा बाजार सुविधाएँ।
(e) उच्च उत्पादक बीजों का अधिक मूल्य।
(f) फसल कटने के बाद तुरंत अनाज का बाजार में पहुँचना जिससे कालाबाजारी आरंभ हो जाती है।

32. किसी देश में सामाजिक विभिन्नताओं पर जोर देने की बात को हमेशा खतरा मानकर नहीं चलना चाहिए। इस उक्ति की व्याख्या कीजिए। 5

उत्तर :

सामाजिक विभिन्नताएँ स्वाभाविक हैं क्योंकि समाज का आधार व्यक्ति और परिवार होता है। हर व्यक्ति का स्वभाव, बनावट, कार्यक्षमता, शारीरिक क्षमता, मानसिक स्तर, प्राथमिकताएँ, दृष्टिकोण, स्वभाव अलग–अलग होता है।

हर व्यक्ति स्त्री या पुरूष किसी न किसी परिवार के सदस्य होते हैं पर परिवारों में हर तरह से समानता नहीं हो सकती। कुछ परिवार छोटे और कुछ बड़े होते हैं। कुछ रूढ़िवादी और कुछ प्रगतिशील होते हैं। हर देश में भाषा, बोली, धर्म, पंथ, आर्थिक स्तर, क्षेत्र, जीवन स्तर आदि की बात मानी जाती है लेकिन सामाजिक भिन्नताओं को एक उपवन या बाग की भिन्नताओं के सदृश्य मान लेना चाहिए जैसे किसी उपवन में विभिन्न तरह के पेड़–पौधे और पुष्प आदि उसकी शोभा बढ़ाते हैं। ऐसे विभिन्न प्रकार की विभिन्नताएँ जैसे पहनावे, खानपान, वेशभूषा, रहन–सहन, उसकी शोभा बढ़ाते हैं। उसे बनाए रखने में देश की एकता और अखंडता को यदि हम खतरा मानेंगे तो हम बहुसंख्यकों की भाषा, संस्कृति, बोलियाँ आदि को अल्पसंख्यकों पर थोपेंगे जिससे देश और समाज में फूट बढ़ेगी जो देश की एकता, अखंडता आदि के लिए खतरा होगी।

उदाहरण के लिए भारत में सामाजिक विभिन्नताओं को खतरा बिल्कुल नहीं माना जाता। हर व्यक्ति को अपनी रूचि के अनुसार खानपान, संस्कृति, धर्म, पूजा–अर्चना आदि की स्वतंत्रता और समानता है।

33. असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों का शोषण किया जाता है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए। 5

उत्तर :

यह बात बिल्कुल सही है कि असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों का शोषण किया जाता है। इसके समर्थन में निम्नलिखित तर्क दिए जाते हैं–

1. असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों के लिए नौकरी की सुरक्षा नहीं होती है, क्योंकि उन्हें बिना किसी कारण नौकरी से निकाला जा सकता है।
2. उन्हें कम छुट्टियाँ दी जाती हैं तथा बीमारी आदि की छुट्टियों के लिए भुगतान नहीं किया जाता है।
3. उन्हें अतिरिक्त समय भी देना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें कोई भुगतान नहीं किया जाता है।
4. सामान्यतया, असंगठित क्षेत्रक में लोगों को अनियमित कार्य प्राप्त होता है तथा जब कार्य अधिक नहीं होता है, तो नियोक्ता (Employer) श्रमिकों को नौकरी से निकाल देता है।
5. बहुत से लोग नियोक्ता की पसंद पर निर्भर रहते हैं।

अथवा

अर्थव्यवस्था में गतिविधियाँ रोजगार की परिस्थितियों के आधार पर कैसे वर्गीकृत की जाती हैं?

उत्तर :

रोजगार की परिस्थितियों के आधार पर आर्थिक गतिविधियों को दो वर्गो में बाँटा जा सकता है–

1. **संगठित क्षेत्रक**–संगठित क्षेत्रक में वे उद्यम अथवा कार्यस्थल आते हैं, जहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती है। ये क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं। उन्हें सरकारी नियमों और विनियमों का पालन करना होता है। इसमें कर्मचारियों को रोजगार सुरक्षा के लाभ मिलते हैं। उनसे एक निश्चित समय तक ही काम करने की आशा की जाती है। यदि वे अधिक काम करते हैं तो उन्हें अतिरिक्त वेतन दिया जाता है। वे सवेतन छुट्टी, अवकाश काल में भुगतान, भविष्य निधि, सेवानुदान पाते हैं। वे सेवानिवृति पर पेंशन भी प्राप्त करते हैं।
2. **असंगठित क्षेत्रक**–असंगठित क्षेत्रक छोटी–छोटी और बिखरी इकाइयों से निर्मित होता है। ये इकाइयाँ अधिकांशतः सरकारी नियंत्रण से बाहर होती हैं। इनमें नियमों और विनियमों का पालन नहीं होता। यहाँ कम वेतनवाले रोजगार हैं और प्रायः नियमित नही हैं। यहाँ अतिरिक्त समय में काम करने, सवेतन छुट्टी, अवकाश, बीमारी के कारण से छुट्टी इत्यादि का कोई प्रावधान नहीं है। रोजगार में भारी अनिश्चितता है। श्रमिकों को बिना किसी कारण के काम से हटाया जा सकता है। इस रोजगार में संरक्षण नहीं है तथा कोई लाभ नहीं है।

34. औपचारिक क्षेत्रक के ऋणों को किस प्रकार गरीब किसानों और मजदूरों के लिए लाभकारी बनाया जा सकता है? कोई पाँच उपाय सुझाइये। 5

उत्तर :

1. बैंकों और सहकारी समितियों को गरीब किसानों तथा मजदूरों को ज्यादा ऋण देना चाहिए। इससे लोगों की आय

बढ़ सकती है तथा बहुत से लोग अपनी विभिन्न जरूरतों के लिए सस्ता ऋण भी ले सकते है।

2. सस्ता और सामर्थ्य के अनुसार ऋण देश के विकास के लिए अति आवश्यक है। यह गरीब किसानों और मजदूरों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। वे नया उद्योग लगा सकते हैं अथवा वस्तुओं का व्यापार भी प्रारम्भ कर सकते हैं।
3. कुछ मामलों में ऋण की ऊँची ब्याज दरों के कारण कर्ज वापस करने की रकम कर्जदार की आय से अधिक हो जाती है। फलतः ऋण का बोझ बढ़ जाता हैं एवं व्यक्ति ऋण–जाल में फँस जाता है। औपचारिक स्रोत से प्राप्त ऋण लोगों को इस समस्या से बाहर निकाल सकता है। उन्हें किसी नवीन कार्य प्रारम्भ करने के लिए प्रोत्साहित करता हैं।
4. औपचारिक स्रोत के ऋणों के विस्तार के साथ यह आवश्यक है कि यह ऋण सभी को प्राप्त हो। अतः यह आवश्यक है कि औपचारिक ऋण का अधिक समान वितरण हो जिससे गरीब किसान और मजदूर वर्ग के लोग भी सस्ते ऋण का फायदा उठा सकें।
5. ऋण की ऊँची ब्याज दर का मतलब हो सकता है जो धन भुगतान किया जाना है वह उधारकर्ता की आय से ज्यादा होगा। इससे ऋण बढ़ेगा और व्यक्ति ऋण जाल में फँस जाएगा। अतः ब्याज दर को कम रखा जाना चाहिए।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) भारत के दिए गए रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए– 2

(A) वह स्थान, जहाँ 1927 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ 22 पुलिसवालों को हिंसक भीड़ द्वारा जला दिया था और इस कारण गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को वापिस ले लिया था।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को पहचानें और उनके नाम लिखें– 4

(i) बेल्लारी – लौह अयस्क खान
(ii) दुर्ग – लौह अयस्क खान
(iii) बोकारो – कोयला खान
(iv) तलचर – कोयला खान
(v) डिगबोई – तेल क्षेत्र
(vi) मुम्बई हाई – तेल क्षेत्र

उत्तर

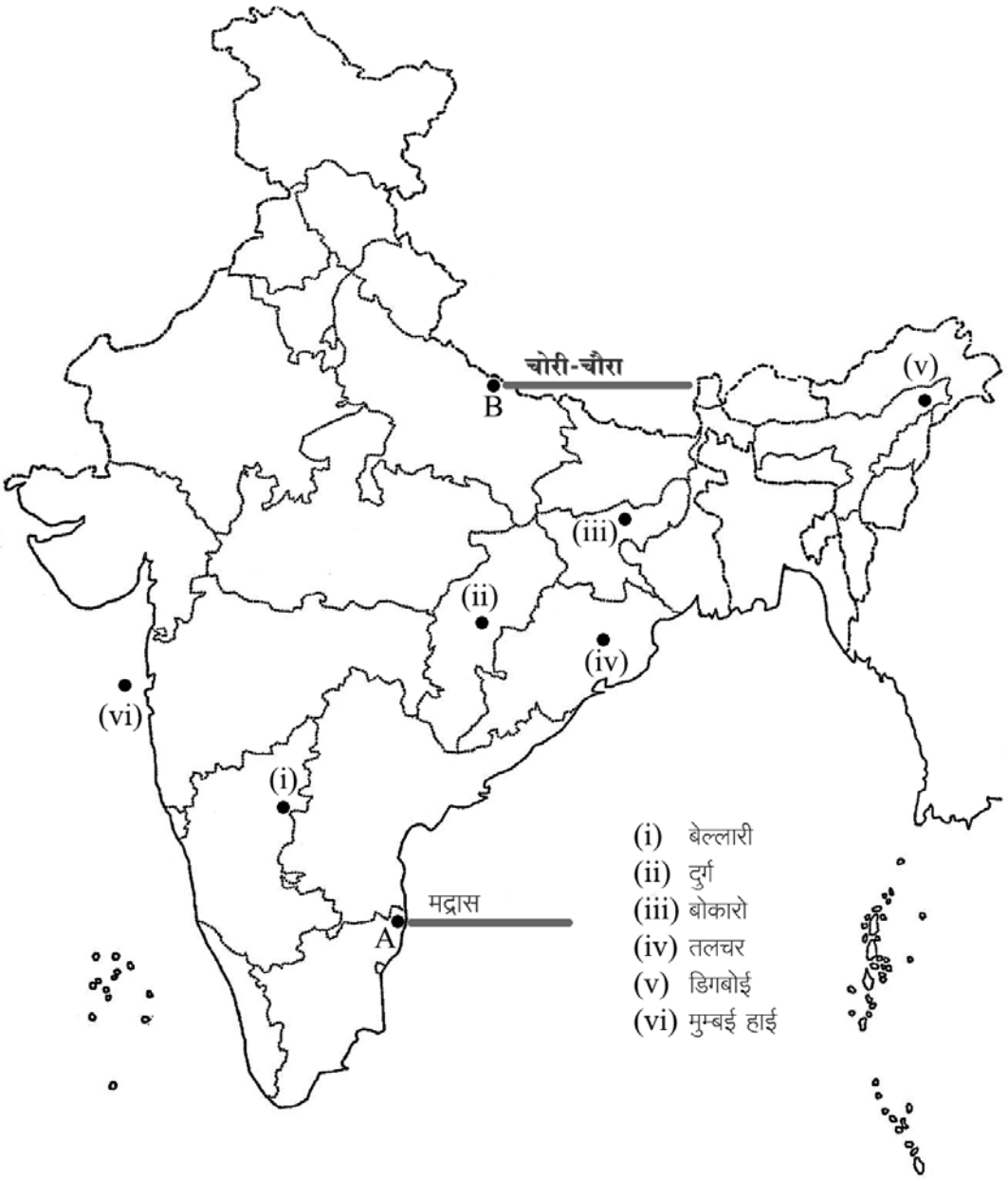

WWW.CBSE.ONLINE
Download Unsolved version of this paper from
www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.